

नर्म पड़ते ट्रम्प

पिछले कुछ दिनों से अमेरिकी ग्राफ्ट प्रैटि डोनाल्ड ट्रम्प के बयानों में भारत के प्रति अब काफी नर्मी दिखाई दे रही है और अब वह भारत से संबंध सुधारने की चाहत कह रहे हैं। ग्राफ्ट प्रैटि ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर लिखा कि उन्हें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि भारत-अमेरिका के बीच व्यापार बाधाओं को दूर करने के लिए बातचीत जारी है। उन्होंने पीएम मोदी की प्रशंसा करते हुए यह भी कहा कि मैं अपने बहुत अच्छे मिल पीएम मोदी से आपने बाले सप्ताह में बातचीत करने की प्रशंसा कर रहा है। वहाँ पीएम मोदी ने भी एक पर लिखा कि भारत और अमेरिका बनियों और स्वाभाविक साझेदार हैं। उन्होंने विश्वास जाता था कि हमारी व्यापार वातांशी भारत-अमेरिका साझेदारी की असीम संभावनाओं को उत्तराधार करने का मार्ग प्रशंसन करेगी। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि भारतीय ट्रम्प इन चर्चाओं को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए काम कर रही है और पीएम मोदी भी बातचीत के लिए अमेरिकी ग्राफ्ट प्रैटि ट्रम्प से मिलने को उत्सुक हैं। मतलब साफ है कि भले ही ट्रम्प भारत के प्रति ट्रैफिक को लेकर आक्रामकता दिखाते रहे हैं, यहाँ तक कि उनके प्रशंसन के अधिकारी भी भारत के प्रति आक्रामकता अपने बयानों से दिखा चुके हैं, लेकिन पर्दे के पीछे भी संबंधों को बेहतर करने की बात जारी रही है। इससे साफ है कि अब तक भारत की नीति ट्रम्प के बयानों को लेकर बिल्कुल सही रही है। भारत ने कभी भी उत्तेजित होकर अमेरिका के बयानों को लेकर तीखी प्रतिक्रिया नहीं जताई। यह उसकी कमज़ोरी नहीं आत्मवि�श्वास ही था। भारत के विश्वास था कि वह स्पृहित ज्यादा देर तक टिकने वाली नहीं है, क्योंकि अमेरिका भारत को ज्यादा देर तक नज़रबंदीज़ नहीं कर सकता।

जिस तरह भारत ने अपनी कूटनीति से शांति सम्पेलन में जो चीज़ में आयोजित हुआ था शिरकत की ओर पीएम मोदी ने चीज़ी और रूसी ग्राफ्ट प्रैटि के साथ जो बोन्डिंग वाहा दिखाई दिए थे उन्होंने यह भी उत्तेजित होकर अमेरिका के बयानों को बेहतर तीखी प्रतिक्रिया नहीं जताई। यह उसकी कमज़ोरी नहीं आत्मविश्वास ही था। भारत के विश्वास था कि वह स्पृहित ज्यादा देर तक टिकने वाली नहीं है, क्योंकि अमेरिका भारत को ज्यादा देर तक नज़रबंदीज़ नहीं कर सकता।

जिस तरह भारत ने अपनी कूटनीति से शांति सम्पेलन में जो चीज़ में आयोजित हुआ था शिरकत की ओर पीएम मोदी ने चीज़ी और रूसी ग्राफ्ट प्रैटि के साथ जो बोन्डिंग वाहा दिखाई दिए थे उन्होंने यह भी उत्तेजित होकर अमेरिका के बयानों को बेहतर तीखी प्रतिक्रिया नहीं जताई। यह उसकी कमज़ोरी नहीं आत्मविश्वास ही था। भारत के विश्वास था कि वह स्पृहित ज्यादा देर तक टिकने वाली नहीं है, क्योंकि अमेरिका भारत को ज्यादा देर तक नज़रबंदीज़ नहीं कर सकता।

जिस तरह वह भारत पर अतिरिक्त ट्रैफिक के बढ़ावा और अपने ही घर में चिर थे और अमेरिका में ही उन्हें बड़ी आलोचना का सामना करना पड़ रहा था, उस वातावरण ने भी उन्हें काफी असहज किया होगा। यह भी आज की तारीख में अब अमेरिका का कोई दुनिया में प्रतिद्वंद्वी देश है तो वह चीन ही है और चीन को रोकने के लिए भारत से अवसर प्रदान कर रहा था। इसीलाए भारत को लेकर आक्रामकता अपने बयानों से दिखा चुके हैं, लेकिन पर्दे के पीछे भी संबंधों को बेहतर करने की बात जारी रही है। इससे साफ है कि अब तक भारत की नीति ट्रम्प के बयानों को लेकर बिल्कुल सही रही है। भारत ने कभी भी उत्तेजित होकर अमेरिका के बयानों को लेकर तीखी प्रतिक्रिया नहीं जताई। यह उसकी कमज़ोरी नहीं आत्मविश्वास ही था। भारत के विश्वास था कि वह स्पृहित ज्यादा देर तक टिकने वाली नहीं है, क्योंकि अमेरिका भारत को ज्यादा देर तक नज़रबंदीज़ नहीं कर सकता।

हन दूसरी भाषाओं का भी सम्मान करते हैं

बंगाली में ज्यादा बालों, डरो मत, हम स्पृह कहना चाहते हैं कि हम अपनी मातृभाषा यानी बंगाली ही बालोंगे, लेकिन हम दूसरी भाषाओं की भी सम्मान करते हैं, जो प्रवासी मजदूर वापस बंगाल लौटेंगे, उन्हें सरकार की ओर साथ दिए जाएंगे और कुछ कहे बिना ही वह सब हो गया जिसकी आशा भारत कर रहा था। शांघाई शिखर सम्मेलन के बाद ही ट्रम्प के बयानों में नर्मी आती दिखाई दी। हालांकि जिस तरह का व्यवहार अब तक ट्रम्प का रहा है, उन पर बहुत ज्यादा भारोसा नहीं किया जा सकता, इसलाए भारत को बहुत सरकार के रूप को खो दिया है। इस तरह वह भारत पर अतिरिक्त ट्रैफिक के बढ़ावा और अपने ही घर में चिर थे और अमेरिका में ही उन्हें बड़ी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने यह कहना चाहती है कि जब तक हालात सामान्य न हो जाए, वे थोड़ा देर तक रहेंगे। अब देखना है कि व्यापारिक मतभेद कहा तक हल होते हैं।

ममता बनर्जी, मुख्यमंत्री, पश्चिम बंगाल

इस बार उत्तर भारत में मानसुन ने लोगों को डरा

जल निधि अपनी संसारों तोड़ कर बसारी-खेत की तरफ राह निकाल रहे हैं। भारत के मौसम विभाग ने आकलन किया है कि 2012 से उपलब्ध के आंकड़ों के अनुसार, 22 अगस्त से चार दिनों तक रित्वंत्र तक रहते हैं।

से तीन नांदी भाषिक विरासि हो रही है। जो कि

पिछले 14 सालों में सबसे अधिक है। पंजाब में आई इस दशक की सबसे भाषण बाब के कारण हजारों लोगों को अपना घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों की ओर पलायन करना पड़ा है।

जम्मू-कश्मीर में वैष्णों देवी मार्ग पर बादल फटों के कारण काफी नुकसान हुआ है। विश्वास के पानी के कारण हजारों लोगों को अपना घर छोड़कर सामान्य नहीं हो रहा है।

जिसके बाद अब त्रिपुरा और उत्तराखण्ड में भूस्खलन के कारण लोगों को परेशानी लेनी पड़ी है।

जिसके बाद अब त्रिपुरा और उत्तराखण्ड में भूस्खलन के कारण हजारों लोगों को अपना घर छोड़कर सामान्य नहीं हो रहा है।

जिसके बाद अब त्रिपुरा और उत्तराखण्ड में भूस्खलन के कारण हजारों लोगों को अपना घर छोड़कर सामान्य नहीं हो रहा है।

जिसके बाद अब त्रिपुरा और उत्तराखण्ड में भूस्खलन के कारण हजारों लोगों को अपना घर छोड़कर सामान्य नहीं हो रहा है।

जिसके बाद अब त्रिपुरा और उत्तराखण्ड में भूस्खलन के कारण हजारों लोगों को अपना घर छोड़कर सामान्य नहीं हो रहा है।

जिसके बाद अब त्रिपुरा और उत्तराखण्ड में भूस्खलन के कारण हजारों लोगों को अपना घर छोड़कर सामान्य नहीं हो रहा है।

जिसके बाद अब त्रिपुरा और उत्तराखण्ड में भूस्खलन के कारण हजारों लोगों को अपना घर छोड़कर सामान्य नहीं हो रहा है।

जिसके बाद अब त्रिपुरा और उत्तराखण्ड में भूस्खलन के कारण हजारों लोगों को अपना घर छोड़कर सामान्य नहीं हो रहा है।

जिसके बाद अब त्रिपुरा और उत्तराखण्ड में भूस्खलन के कारण हजारों लोगों को अपना घर छोड़कर सामान्य नहीं हो रहा है।

जिसके बाद अब त्रिपुरा और उत्तराखण्ड में भूस्खलन के कारण हजारों लोगों को अपना घर छोड़कर सामान्य नहीं हो रहा है।

जिसके बाद अब त्रिपुरा और उत्तराखण्ड में भूस्खलन के कारण हजारों लोगों को अपना घर छोड़कर सामान्य नहीं हो रहा है।

जिसके बाद अब त्रिपुरा और उत्तराखण्ड में भूस्खलन के कारण हजारों लोगों को अपना घर छोड़कर सामान्य नहीं हो रहा है।

जिसके बाद अब त्रिपुरा और उत्तराखण्ड में भूस्खलन के कारण हजारों लोगों को अपना घर छोड़कर सामान्य नहीं हो रहा है।

जिसके बाद अब त्रिपुरा और उत्तराखण्ड में भूस्खलन के कारण हजारों लोगों को अपना घर छोड़कर सामान्य नहीं हो रहा है।

जिसके बाद अब त्रिपुरा और उत्तराखण्ड में भूस्खलन के कारण हजारों लोगों को अपना घर छोड़कर सामान्य नहीं हो रहा है।

जिसके बाद अब त्रिपुरा और उत्तराखण्ड में भूस्खलन के कारण हजारों लोगों को अपना घर छोड़कर सामान्य नहीं हो रहा है।

जिसके बाद अब त्रिपुरा और उत्तराखण्ड में भूस्खलन के कारण हजारों लोगों को अपना घर छोड़कर सामान्य नहीं हो रहा है।

जिसके बाद अब त्रिपुरा और उत्तराखण्ड में भूस्खलन के कारण हजारों लोगों को अपना घर छोड़कर सामान्य नहीं हो रहा है।

जिसके बाद अब त्रिपुरा और उत्तराखण्ड में भूस्खलन के कारण हजारों लोगों को अपना घर छोड़कर सामान्य नहीं हो रहा है।

जिसके बाद अब त्रिपुरा और उत्तराखण्ड में भूस्खलन के कारण हजारों लोगों को अपना घर छोड़कर सामान्य नहीं हो रहा है।

जिसके बाद अब त्रिपुरा और उत्तराखण्ड में भूस्खलन के कारण हजारों लोगों को अपना घर छोड़कर सामान्य नहीं हो रहा है।

जिसके बाद अब त्रिपुरा और उत्तराखण्ड में भूस्खलन के कारण हजारों लोगों को अपना घर छोड़कर सामान्य नहीं हो रहा है।

जिसके बाद अब त्रिपुरा और उत्तराखण्ड में भूस्खलन के कारण हजारों लोगों को अपना घर छोड़कर सामान

